4. "गजाधर बाबू चलने को तैयार बैठे थे। रेलवे क्वाटर का वह कमरा, जिसमें उन्होंने कितने वर्ष बिताये थे, उनका सामान हर जाने से कुरूप और नग्न लग रहा था।" प्रस्तुत पंक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

5. "मानू फूट-फूट कर रो रही थी। मैं बंडल को खोल कर देखने लगा- ऐसी कारीगरी, ऐसी बारीकी, रंगीन सुतलियों के फंदों का ऐसा काम, पहली बार देख रहा था।" प्रस्तुत पंक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

6. "उसने कहा था" कहानी की आलोचना कहानी के तत्वों के आधार पर कीजिए।

7. कहानी-कला की दृष्टि से "ताई" कहानी की आलोचना कीजिए।

8. कहानीकार राजेंद्र यादव का परिचय देते हुए "बिरादरी बाहर" कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

भाग – II

किन्हीं चार प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए। $(4 \times 15 = 60)$

9. किन्हीं दो गद्यांशो की व्याख्या कीजिए।

(a) जालपा ने सिर हिला कर कहा-मुझे इसकी बिलकुल जरूरत नहीं है, दादाजी। हाँ, इतना चाहती हूँ कि आप मुझे आशीर्वाद दें संभव है आपके आशीर्वाद से मेरा कल्याण हो।

(b) तुम्हारा ध्यान कभी उनकी ओर जाता है? अभी तुम्हारा राज नहीं है, तब तो तुम भोग-विलास पर इतना मरते हो, तुम्हारा राज हो जाएगा, तब तो तुम गरीबों को पीस कर पी जाओगे।

(c) अपने जीवन से उसे घृणा हो गई थी। जालपा की विश्वासमय उदारता ने उसे आत्मशुद्धि के पथ पर डाल दिया। रतन का पवित्र, निस्काम जीवन उसे प्रोत्साहित किया करता था।

10. हिन्दी उपन्यास के विकास्द का परिचय दीजिए।

11. उपन्यास-कला की दृष्टि से 'गबन' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए।

12. जालपा की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

13. प्रेमचंद की जीवनी और व्यक्तित्व का परिचय देते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

14. सिद्ध कीजिए कि 'प्रेमचंद हिन्दी उपन्यास के सम्राट हैं'।